Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 20 August 2024

Dainik Jagran Page - 04

स्नातक आनर्स कोर्स में होगा क्षमता व कौशल संवर्द्धन का इंतजाम

गोवि ने जारी किया चार वर्षीय स्नातक कोर्स का प्रारूप

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की अनुपालन में प्रवेश के दौरान ही चार वर्षीय स्नातक कोर्स का फ्रेमवर्क लागू कर दिया है। साथ ही कोर्स का प्रारूप भी जारी कर दिया है। इसमें विद्यार्थियों में क्षमता व कौशल संवर्द्धन पर जोर है। पूरा पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के समग्र विकास और कौशल संवर्द्धन पर केंद्रित है। पाठ्यक्रम को इस तरह से तैयार किया गया है कि कोर्स पूरा करने के बाद विद्यार्थी को रोजगार के लिए भटकना न पड़े।

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में पहले चार सेमेस्टर में 23 क्रेडिट और अंतिम चार सेमेस्टर में 20 क्रेडिट शामिल हैं। स्नातक डिग्री प्राप्त करने के लिए छात्रों को 132 क्रेडिट पूरा करना आवश्यक है, जबकि आनर्स डिग्री के लिए 172 क्रेडिट हासिल करना होगा। प्रत्येक क्रेडिट का समकक्ष प्रति सेमेस्टर 15 शिक्षण घंटों से है। पहले चार सेमेस्टर में दो क्रेडिट क्षमता संवर्द्धन के लिए तीन क्रेडिट कौशल विकास के लिए समर्पित हैं। कौशल संवर्द्धन का विषय पहले तीन सेमेस्टर और क्षमता संवर्द्धन का विषय पहले चार सेमेस्टर में पढ़ाया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि भारतीय ज्ञान प्रणाली को कोर्स को पहले सेमेस्टर के लिए डिजाइन करने वाला गोरखपुर विश्वविद्यालय राज्य का पहला विश्वविद्यालय है। इसके अलावा विश्वविद्यालय ने दूसरे सेमेस्टर में खेल, एनसीसी, एनएसएस और एक भारतीय भाषा को विषयों को तीसरे सेमेस्टर में और सामयिक महत्व के विषय को चौथे सेमेस्टर का हिस्सा बनाया है।

स्नातक में सेमेस्टरवार विशिष्ट विषय

- पहला सेमेस्टर – भारतीय ज्ञान प्रणाली
- दूसरा सेमेस्टर – सह पाठ्यक्रम (जैसे खेल, एनसीसी, एनएसएस)
- तीसरा सेमेस्टर – भारतीय भाषाएं
- चौथा सेमेस्टर – सामयिक महत्व के विषय

"चार वर्षीय स्नातक के लिए पाठ्यक्रम का प्रारूप तैयार कर लिया गया है। इसे समावेशी और रोजगारपरक शिक्षा के लक्ष्य के साथ डिजाइन किया गया है, जो आज के समय की मांग है। अकादमिक रूप से सक्षम होने के साथ-साथ विद्यार्थी समाज में अपना सार्थक योगदान सुनिश्चित कर सकें, इसके लिए हम और हमारी टीम प्रतिबद्ध है।"

प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

Amar Ujala Page - 07

डीडीयू : अब स्किल और एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स पढ़ेंगे विद्यार्थी

स्नातक ऑनर्स डिग्री के लिए 172 क्रेडिट्स पूरा करना आवश्यक, बढ़ेगा छात्रों का कौशल

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में स्नातक के विद्यार्थी अब वोकेशनल और को-करिकुलर नहीं स्किल और एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स पढ़ेंगे। विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप चार वर्षीय स्नातक फ्रेमवर्क लागू किया है। इसके तहत विद्यार्थियों में कौशल विकास एवं क्षमता संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स (क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम) और स्किल एन्हांसमेंट कोर्स (कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम) शामिल किया है।

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में पहले चार सेमेस्टर में 23 क्रेडिट और अंतिम चार सेमेस्टर में 20

यूजी डिग्री प्राप्त करने के लिए छात्रों को 132 क्रेडिट्स पूरा करना आवश्यक

क्रेडिट शामिल हैं। यूजी डिग्री प्राप्त करने के लिए छात्रों को 132 क्रेडिट्स पूरा करना आवश्यक है, जबकि ऑनर्स डिग्री के लिए 172 क्रेडिट्स की आवश्यकता होती है। प्रत्येक क्रेडिट का समकक्ष प्रति सेमेस्टर 15 शिक्षण घंटों से है, जिससे एक गहन और व्यापक शैक्षिक अनुभव सुनिश्चित होता है।

दो साल ही पढ़ने हैं स्किल और एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स

पाठ्यक्रम का हिस्सा होने की वजह से विश्वविद्यालय ने पहले चार सेमेस्टर में क्रमशः 2 और 3 क्रेडिट्स के एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स (एईसी) और स्किल एन्हांसमेंट कोर्स (एसईसी) पेश किए हैं। एसईसी पहले तीन सेमेस्टर तो एईसी को पहले चार सेमेस्टर में पढ़ना होगा। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों की क्षमता और कौशल को बढ़ाना एवं उन्हें गतिशील बाजार में रोजगार के लिए तैयार करना है। एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स के तहत पहले सेमेस्टर में विद्यार्थी भारतीय ज्ञान प्रणाली, दूसरे में सह-पाठ्यक्रम (जैसे खेल, एनसीसी, एनएसएस), तीसरे में भारतीय भाषाएं और चौथे में सामयिक महत्व के विषय पढ़ेंगे।

एनईपी 2020 के अनुसार चार वर्षीय यूजी फ्रेमवर्क को अपनाना विश्वविद्यालय के लिए एक मील का पत्थर है। यह नई संरचना छात्रों को एक विविध और समावेशी शिक्षा प्रदान करने का लक्ष्य रखती है, जो उन्हें आज की दुनिया के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण कौशल और ज्ञान से लैस करती है। हमारी प्रतिबद्धता यह है कि हम न केवल अकादमिक रूप से सक्षम बल्कि समाज में सार्थक योगदान देने में सक्षम व्यक्तियों का निर्माण करें।

- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

स्नातक में प्रश्नपत्र के बदले प्रारूप पर लगेगी परीक्षा समिति की मुहर

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय में स्नातक की सेमेस्टर परीक्षा में प्रश्नपत्र के प्रारूप में बदलाव किया गया है। 21 अगस्त को होने वाली परीक्षा समिति की बैठक में इसपर मुहर लग सकती है। अब स्नातक पाठ्यक्रमों के विषम सेमेस्टर की परीक्षा में वर्णनात्मक और सम सेमेस्टर में बहुविकल्पीय प्रश्नपत्र आएगा। यह फैसला इसी सत्र से लागू होगा।

परास्नातक पाठ्यक्रमों में पिछले साल से ही वर्णनात्मक प्रश्नपत्र आ रहा है। अब स्नातक के विद्यार्थियों को भी एक सेमेस्टर में अपनी लेखनी का प्रदर्शन करना होगा। यह फैसला केवल नए विद्यार्थियों पर ही लागू होगा या पुराने पर भी, इसपर परीक्षा समिति फैसला लेगी। इसे लेकर शासन की ओर से भी निर्देश दिए गए थे।

विश्वविद्यालय का मानना है कि बहुविकल्पीय प्रश्नपत्र की वजह से विद्यार्थियों की लेखन शैली प्रभावित हो रही थी। साथ ही कक्षाओं में उनकी उपस्थिति भी कम हो गई थी। परास्नातक के सभी सेमेस्टर में वर्णनात्मक प्रश्नपत्र आ रहा है। शासन की ओर से भी निर्देश थे कि एक सेमेस्टर बहुविकल्पीय और एक वर्णनात्मक कराया जाए।

डीडीयू: यूजी के ऑड सेमेस्टर में वर्णनात्मक, इवेन में बहुविकल्पीय प्रश्न

टॉपरों की सूची पर लगेगी मुहर

विश्वविद्यालय में 30 अगस्त को होने वाले 43वें दीक्षांत समारोह के लिए टॉपरों की अंतिम सूची पर भी परीक्षा समिति, विद्या परिषद और कार्य परिषद की मुहर लगेगी। टॉपरों की अनंतिम सूची पर 18 अगस्त तक आपत्ति मांगी गई थी।

उच्च शिक्षा मंत्री होंगे दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि

गोरखपुर। डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह के लिए विशिष्ट अतिथियों का नाम तय हो गया है। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय विशिष्ट अतिथि होंगे। उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी भी बतौर विशिष्ट अतिथि दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि इसके लिए सहमति मिल गई है। ब्यूरो

Hindustan Page - 06

परीक्षा समिति की बैठक कल, प्रश्नपत्रों में बदलाव को मिलेगी मंजूरी

यूजी परीक्षाओं के बदले प्रारूप पर लगेगी मुहर

तैयारी

- स्नातक ऑड सेमेस्टर में वर्णनात्मक, इवेन में बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे
- छात्रों में लेखन कौशल बेहतर करने के लिए बदलाव की है तैयारी

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में स्नातक की सेमेस्टर परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों में अहम बदलाव किए जाने की तैयारी है। डीडीयू में 21 अगस्त को आयोजित परीक्षा समिति की बैठक में इसे मंजूरी मिल जाएगी। इसके बाद विषम सेमेस्टर की परीक्षा में वर्णनात्मक और सम सेमेस्टर में बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे। यह सत्र 2024-25 से ही लागू होगा।

डीडीयू में पीजी के चारों सेमेस्टर में पिछले वर्ष से ही वर्णनात्मक प्रश्नपत्र आ रहे हैं। स्नातक की परीक्षाओं में बहुविकल्पीय प्रश्न आने से छात्रों के लेखन कौशल प्रभावित हो रही थी। वर्णनात्मक प्रश्नों में बाकायदा लिखना होता है, इससे किसी प्रश्न को लेकर व्यापक समझ विकसित होती है। शासन की ओर से भी निर्देश दिए गए हैं कि एक पेपर में वर्णनात्मक प्रश्न आएं, जिससे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियां भी बेहतर होंगी। इसे देखते हुए ही स्नातक के विषम सेमेस्टर में वर्णनात्मक प्रश्नपत्र तैयार किए जाने की योजना बनाई गई है। इसे परीक्षा समिति के एजेंडे में भी शामिल किया गया है।

टॉपर्स की सूची पर लगेगी मुहर : डीडीयू में 30 अगस्त को होने वाले 43वें दीक्षांत समारोह के लिए टॉपरों की अंतिम सूची पर भी परीक्षा समिति, विद्या परिषद और कार्य परिषद की मुहर लगेगी। टॉपरों की अनंतिम सूची पर 18 अगस्त तक आपत्ति मांगी गई थी।

उच्च शिक्षा मंत्री होंगे विशिष्ट अतिथि

दीक्षांत समारोह के लिए विशिष्ट अतिथि का नाम तय हो गया है। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय विशिष्ट अतिथि होंगे। उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी भी बतौर विशिष्ट अतिथि दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि इसके लिए सहमति मिल गई है।

स्नातक में परीक्षा पैटर्न में बदलाव का एजेंडा परीक्षा समिति के समिति की बैठक में रखा जाएगा। अब यूजी के ऑड सेमेस्टर में वर्णनात्मक और इवेन में बहुविकल्पीय प्रश्नपत्र आएंगे। दीक्षांत समारोह को लेकर तैयारियां चल रही हैं।

- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

आज जारी होगा दीक्षांत का लोगो: डीडीयू में दीक्षांत समारोह का लोगो मंगलवार को जारी होगा। लोगो के लिए प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। लोगो के चयन के साथ ही विजेताओं के नाम भी घोषित किए जाएंगे।

दीक्षांत सप्ताह 23 से : डीडीयू में 23 अगस्त को दीक्षांत सप्ताह का शुभारंभ होगा। इसके तहत एक हफ्ते तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। सभी विभागों में भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

को-करिकुलर की जगह अब कौशल व योग्यता बढ़ाएंगे विद्यार्थी

डीडीयू

[illegible]

Amar Ujala Select Page - 04

को-करिकुलर नहीं, स्किल व एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स पढ़ेंगे डीडीयू के विद्यार्थी

गोरखपुर विश्वविद्यालय में स्नातक ऑनर्स डिग्री के लिए 172 क्रेडिट्स पूरा करना आवश्यक

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में स्नातक के विद्यार्थी अब वोकेशनल और को-करिकुलर नहीं स्किल और एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स पढ़ेंगे। विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप चार वर्षीय स्नातक फ्रेमवर्क लागू किया है। इसके तहत विद्यार्थियों में कौशल विकास एवं क्षमता संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स (क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम) और स्किल एन्हांसमेंट कोर्स (कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम) शामिल किया है।

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में पहले चार सेमेस्टर में 23 क्रेडिट और अंतिम चार सेमेस्टर में 20 क्रेडिट शामिल हैं। यूजी डिग्री प्राप्त करने के लिए छात्रों को 132 क्रेडिट्स पूरा करना आवश्यक है, जबकि ऑनर्स डिग्री के लिए 172 क्रेडिट्स की आवश्यकता होती है। प्रत्येक क्रेडिट का समकक्ष प्रति सेमेस्टर 15 शिक्षण घंटों से है, जिससे एक गहन और व्यापक शैक्षिक अनुभव सुनिश्चित होता है।

दो साल ही पढ़ने हैं स्किल और एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स : पाठ्यक्रम का हिस्सा होने की वजह से विश्वविद्यालय ने पहले चार सेमेस्टर में क्रमशः 2 और 3 क्रेडिट्स के एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स (एईसी) और स्किल एन्हांसमेंट कोर्स (एसईसी) पेश किए हैं। एसईसी पहले तीन सेमेस्टर तो एईसी को पहले चार सेमेस्टर में पढ़ना होगा। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों की क्षमता और कौशल को बढ़ाना एवं उन्हें गतिशील बाजार में रोजगार के लिए तैयार करना है। एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स के तहत पहले सेमेस्टर में विद्यार्थी भारतीय ज्ञान प्रणाली, दूसरे में सह-पाठ्यक्रम (जैसे खेल, एनसीसी, एनएसएस), तीसरे में भारतीय भाषाएं और चौथे में सामयिक महत्व के विषय पढ़ेंगे।

उच्च शिक्षा मंत्री होंगे दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि

गोरखपुर। डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह के लिए विशिष्ट अतिथियों का नाम तय हो गया है। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय विशिष्ट अतिथि होंगे। उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी भी बतौर विशिष्ट अतिथि दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि इसके लिए सहमति मिल गई है। विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह का लोगो मंगलवार को जारी होगा। लोगो के लिए प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। लोगो के चयन के साथ ही विजेताओं के नाम भी घोषित किए जाएंगे। वहीं, 23 अगस्त को दीक्षांत सप्ताह का शुभारंभ होगा। इसके तहत एक हफ्ते तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। सभी विभागों में भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

"एनईपी 2020 के अनुसार चार वर्षीय यूजी फ्रेमवर्क को अपनाना विश्वविद्यालय के लिए एक मील का पत्थर है। यह नई संरचना छात्रों को एक विविध और समावेशी शिक्षा प्रदान करने का लक्ष्य रखती है, जो उन्हें आज की दुनिया के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण कौशल और ज्ञान से लैस करती है। हमारी प्रतिबद्धता यह है कि हम न केवल अकादमिक रूप से सक्षम बल्कि समाज में सार्थक योगदान देने में सक्षम व्यक्तियों का निर्माण करें।"

- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

स्नातक में प्रश्नपत्र के बदले प्रारूप पर लगेगी परीक्षा समिति की मुहर

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में स्नातक की सेमेस्टर परीक्षा में प्रश्नपत्र के प्रारूप में बदलाव किया गया है। 21 अगस्त को होने वाली परीक्षा समिति की बैठक में इसपर मुहर लग सकती है। अब स्नातक पाठ्यक्रमों के विषम सेमेस्टर की परीक्षा में वर्णनात्मक और सम सेमेस्टर में बहुविकल्पीय प्रश्नपत्र आएगा। यह फैसला इसी सत्र से लागू होगा।

परास्नातक पाठ्यक्रमों में पिछले साल से ही वर्णनात्मक प्रश्नपत्र आ रहा है। अब स्नातक के विद्यार्थियों को भी एक सेमेस्टर में अपनी लेखनी का प्रदर्शन करना होगा। यह फैसला केवल नए विद्यार्थियों पर ही लागू होगा या पुराने पर भी, इसपर परीक्षा समिति फैसला लेगी। इसे लेकर शासन की ओर से भी निर्देश दिए गए थे।

विश्वविद्यालय का मानना है कि बहुविकल्पीय प्रश्नपत्र की वजह से

डीडीयू : यूजी के ऑड सेमेस्टर में वर्णनात्मक, इवेन में बहुविकल्पीय प्रश्न

विद्यार्थियों की लेखन शैली प्रभावित हो रही थी। साथ ही कक्षाओं में उनकी उपस्थिति भी कम हो गई थी। परास्नातक के सभी सेमेस्टर में वर्णनात्मक प्रश्नपत्र आ रहा है। शासन की ओर से भी निर्देश थे कि एक सेमेस्टर बहुविकल्पीय और एक वर्णनात्मक कराया जाए। इससे विद्यार्थियों की लेखन शैली भी बेहतर होगी और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी मदद मिलेगी।

टॉपरों की सूची पर लगेगी मुहर : विश्वविद्यालय में 30 अगस्त को होने वाले 43वें दीक्षांत समारोह के लिए टॉपरों की अंतिम सूची पर भी परीक्षा समित, विद्या परिषद और कार्य परिषद की मुहर लगेगी। टॉपरों की अनंतिम सूची पर 18 अगस्त तक आपत्ति मांगी गई थी।

Inext Page -02

एलएलबी के स्टूडेंट सभी सेमेस्टर में करेंगे इंटर्नशिप

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (19 August): डीडीयू और संबद्ध कॉलेजों में एलएलबी तीन साल और पांच साल का कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स को हर सत्र में इंटर्नशिप करना अनिवार्य होगा. अभी तक एलएलबी तीन साल के एलएलबी में तीसरे और पांचवें सेमेस्टर और पांच साल के बीएएलएलबी के कोर्स में पांचवें, सातवें और 9वें सेमेस्टर में ही इंटर्नशिप का प्राविधान था.

कोर्स किया गया अपडेट

गोरखपुर यूनिवर्सिटी ने बार काउंसिल आफ इंडिया की ओर से जारी की गई गाइडलाइन के अनुसार अपने कोर्स को अपडेट कर दिया है. नया व्यवस्था के तहत अपडेटेड कोर्स 2024-25 से ही यह व्यवस्था लागू होगी.

हर सत्र के लिए अनिवार्य

दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी के डीन प्रो. नसीम अहमद ने बताया कि पहले इंटर्नशिप सब्जेक्ट के रूप में एलएलबी तीन साल के कोर्स में तीसरे व पांचवें सेमेस्टर में पेपर के रूप में लागू था. छह सब्जेक्ट में से एक इंटर्नशिप भी थी. अब इंटर्नशिप की जगह एक अलग पेपर शामिल किया गया है. इंटर्नशिप एक्स्ट्रा तौर पर करनी होगी. यह हर सत्र में अनिवार्य की गई है. पहले इंटर्नशिप की अवधि 21 से 30 दिन हुआ करती थी. अब इसे चार सप्ताह कर दिया गया है.

इन कॉलेजों में होती है एलएलबी की पढ़ाई

- सेंट एंड्रयूज डिग्री कॉलेज
- संत विनोबा पीजी कॉलेज
- प्रभा देवी भगवती प्रसाद लॉ कॉलेज
- हरिसहाय लॉ कॉलेज

इन कॉलेजों में होती है बीएएलएलबी की पढ़ाई

- पं. भृगुनाथ चतुर्वेदी लॉ कॉलेज
- हरिसहाय लॉ कॉलेज
- प्रभा देवी भगवती प्रसाद लॉ कॉलेज
- आईटीएम कॉलेज ऑफ लॉ
- बुद्धा कॉलेज ऑफ लॉ

डायरी भी बनानी होगी

इस नई व्यवस्था के तहत अब एलएलबी पांच साल के इंटीग्रेटेड कोर्स में पांच इंटर्नशिप होंगी. इसका मूल्यांकन 10वें सेमेस्टर में मूट कोर्ट के साथ किया जाएगा. हर सत्र में इंटर्नशिप करके डायरी बनानी होगी. पहले सेमेस्टर से ही लागू किया जा रहा है.

नए कानून के प्रविधान भी शामिल

नई व्यवस्था के तहत डीडीयू और संबद्ध कॉलेजों में एक जुलाई से देश में आईपीसी, सीआरपीसी और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम को लागू किया गया. अब डीडीयू के विधि कोर्स में भी तीनों नए कानून को भी शामिल किया गया है. बीते दिनों हुई यूनिवर्सिटी की बोर्ड ऑफ काउंसिल की मीटिंग में तैयार किए गए कोर्स को मंजूरी दी गई थी. नए कानून शामिल किए जाने से स्टूडेंट्स को कानून में हुए बदलाव के अनुसार खुद को अपडेट करने का मौका मिलेगा.

खुशखबरी स्टूडेंट्स में कौशल विकास और क्षमता संवर्धन बढ़ेगी, चार साल ग्रेजुएशन प्रोग्राम लागू

फोर ईयर ग्रेजुएशन प्रोग्राम में शामिल है एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (19 August): दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुपालन में चार साल के ग्रेजुएशन प्रोग्राम को लागू किया है. इसके तहत स्टूडेंट्स में कौशल विकास और क्षमता संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स (क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम) और स्किल एन्हांसमेंट कोर्स (कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम) भी पेश किया गया है. इसका उद्देश्य स्टूडेंट्स के संपूर्ण विकास और कौशल संवर्धन पर केंद्रित होकर उन्हें बाजार की मांग के अनुरूप रोजगार के लिए तैयार किया जा सके.

एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स (AEC)

सेमेस्टर I	भारतीय ज्ञान प्रणाली
सेमेस्टर II	सह-पाठ्यक्रम (जैसे खेल, एनसीसी, एनएसएस)
सेमेस्टर III	भारतीय भाषाएं
सेमेस्टर IV	सामयिक महत्व के विषय

172 क्रेडिट्स पूरा करना जरूरी

फोर ईयर ग्रेजुएशन कोर्स में पहले चार सेमेस्टर में 23 क्रेडिट और अंतिम चार सेमेस्टर में 20 क्रेडिट शामिल है. यूजी डिग्री प्राप्त करने के लिए छात्रों को 132 क्रेडिट्स पूरा करना जरूरी है, जबकि ऑनर्स डिग्री के लिए 172 क्रेडिट्स की आवश्यकता होती है. प्रत्येक क्रेडिट का समकक्ष प्रति सेमेस्टर 15 [illegible] से है. इससे छात्रों को एक गहन और व्यापक शैक्षिक अनुभव मिल सकेगा. कोर्स का हिस्सा होने के नाते यूनिवर्सिटी ने पहले चार सेमेस्टर में क्रमशः दो और तीन क्रेडिट्स के एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स (एईसी) और स्किल एन्हांसमेंट कोर्स (एसईसी) पेश किए हैं. एसईसी पहले तीन सेमेस्टर में उपलब्ध है जबकि एईसी पहले चार सेमेस्टर में उपलब्ध है.

डीडीयू पहली यूनिवर्सिटी

डीडीयू भारतीय ज्ञान प्रणाली पर आधारित एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स को फर्स्ट सेमेस्टर के लिए डिजाइन करने वाली पहली यूनिवर्सिटी है. इसके अतिरिक्त यूनिवर्सिटी ने यूजीसी की गाइडलाइन के अनुसार दूसरे सेमेस्टर में खेल, एनसीसी, एनएसएस जैसे विभिन्न कोर्स, तीसरे सेमेस्टर में एक भारतीय भाषा, और चौथे सेमेस्टर में सामयिक महत्व के सब्जेक्ट्स का रखा है.

****

"एनईपी 2020 के अनुसार फोर ईयर यूजी फ्रेमवर्क को अपनाना हमारे यूनिवर्सिटी के लिए एक मील का पत्थर है. नई व्यवस्था में छात्रों को एक विविध और समावेशी शिक्षा देने का लक्ष्य रखा गया है, जो उन्हें आज की दुनिया के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण कौशल और ज्ञान से लैस करती है."

- प्रो. पूनम टंडन, वीसी

Rashtriya Sahara Page - 09

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में एबिलिटी और स्किल एन्हांसमेंट कोर्स शामिल

दीदउ गोविवि

गोरखपुर (एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप चार वर्षीय स्नातक फ्रेमवर्क लागू किया है। इसके अन्तर्गत विद्यार्थियों में कौशल विकास एवं क्षमता संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स (क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम) और स्किल एन्हांसमेंट कोर्स (कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम) भी पेश किया गया है।

इसका उद्देश्य विद्यार्थियों के समग्र विकास और कौशल संवर्धन पर केंद्रित है जिससे उन्हें बाजार में उपलब्ध रोजगार के लिए तैयार किया जा सके। स्नातक आनर्स डिग्री के लिए 172 क्रेडिट्स पूरा करना आवश्यक है। चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में पहले चार सेमेस्टर में 23 क्रेडिट और अंतिम चार सेमेस्टर में 20 क्रेडिट शामिल हैं। यूजी डिग्री प्राप्त करने के लिए, छात्रों को 132 क्रेडिट्स पूरा करना आवश्यक है, जबकि आनर्स डिग्री के लिए 172 क्रेडिट्स की आवश्यकता होती है। प्रत्येक क्रेडिट का समकक्ष प्रति सेमेस्टर 15 शिक्षण घंटों से है, जिससे एक गहन और व्यापक शैक्षिक अनुभव सुनिश्चित होता है।

पाठ्यक्रम का हिस्सा होने की वजह से विश्वविद्यालय ने पहले चार सेमेस्टर में क्रमशः 2 और 3 क्रेडिट्स के एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स (एईसी) और स्किल एन्हांसमेंट कोर्स (एसईसी) पेश किए हैं। एसईसी पहले तीन सेमेस्टर में उपलब्ध हैं, जबकि एईसी पहले चार सेमेस्टर में उपलब्ध हैं। इन कोर्सों का उद्देश्य छात्रों की क्षमताओं और कौशल को बढ़ाना और उन्हें गतिशील बाजार में रोजगार के लिए तैयार करना है।

इस महत्वपूर्ण शैक्षणिक प्रगति पर कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि एनईपी 2020 के अनुसार चार वर्षीय यूजी फ्रेमवर्क को अपनाना हमारे विश्वविद्यालय के लिए एक मील का पत्थर है। यह नई संरचना छात्रों को एक विविध और समावेशी शिक्षा प्रदान करने का लक्ष्य रखती है, जो उन्हें आज की दुनिया के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण कौशल और ज्ञान से लैस करती है। हमारी प्रतिबद्धता यह है कि हम न केवल अकादमिक रूप से सक्षम बल्कि समाज में सार्थक योगदान देने में सक्षम व्यक्तियों का निर्माण करें।

Swatantra Chena Page - 05

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में शामिल है एबिलिटी व स्किल एन्हांसमेंट कोर्स

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप चार वर्षीय स्नातक फ्रेमवर्क लागू किया है। इसके अन्तर्गत विद्यार्थियों में कौशल विकास एवं क्षमता संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम और स्किल एन्हांसमेंट कोर्स कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम भी पेश किया गया है।

इसका उद्देश्य विद्यार्थियों के समग्र विकास और कौशल संवर्धन पर केंद्रित है जिससे उन्हें बाजार में उपलब्ध रोजगार के लिए तैयार किया जा सके।

स्नातक ऑनर्स डिग्री के लिए 172 क्रेडिट्स पूरा करना आवश्यक

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में पहले चार सेमेस्टर में 23 क्रेडिट और अंतिम चार सेमेस्टर में 20 क्रेडिट शामिल हैं। यूजी डिग्री प्राप्त करने के लिए, छात्रों को 132 क्रेडिट्स पूरा करना आवश्यक है, जबकि ऑनर्स डिग्री के लिए 172 क्रेडिट्स की आवश्यकता होती है। प्रत्येक क्रेडिट का समकक्ष प्रति सेमेस्टर 15 शिक्षण घंटों से है, जिससे एक गहन और व्यापक शैक्षिक अनुभव सुनिश्चित होता है।

पाठ्यक्रम का हिस्सा होने की वजह से विश्वविद्यालय ने पहले चार सेमेस्टर में क्रमशः 2 और 3 क्रेडिट्स के एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स (एईसी) और स्किल एन्हांसमेंट कोर्स (एसईसी) पेश किए हैं। एसईसी पहले तीन सेमेस्टर में उपलब्ध हैं जबकि एईसी पहले चार सेमेस्टर में उपलब्ध हैं। इन कोर्सों का उद्देश्य छात्रों की क्षमताओं और कौशल को बढ़ाना और उन्हें गतिशील बाजार में रोजगार के लिए तैयार करना है। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय ने दूसरे सेमेस्टर में खेल, एनसीसी, एनएसएस जैसे विभिन्न कोर्सों, तीसरे सेमेस्टर में यूजीसी के निर्देशानुसार एक भारतीय भाषा, और चौथे सेमेस्टर में सामयिक महत्व के विषयों का प्रस्ताव रखा है, ताकि छात्रों की क्षमताओं को और अधिक बढ़ाया जा सके। इस महत्वपूर्ण शैक्षणिक प्रगति पर कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा, एनईपी 2020 के अनुसार चार वर्षीय यूजी फ्रेमवर्क को अपनाना हमारे विश्वविद्यालय के लिए एक मील का पत्थर है। यह नई संरचना छात्रों को एक विविध और समावेशी शिक्षा प्रदान करने का लक्ष्य रखती है, जो उन्हें आज की दुनिया के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण कौशल और ज्ञान से लैस करती है। हमारी प्रतिबद्धता यह है कि हम न केवल अकादमिक रूप से सक्षम बल्कि समाज में सार्थक योगदान देने में सक्षम व्यक्तियों का निर्माण करें।

एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स (अएउ):

- सेमेस्टर क भारतीय ज्ञान प्रणाली
- सेमेस्टर कक सह-पाठ्यक्रम (जैसे खेल, एनसीसी, एनएसएस)
- सेमेस्टर ककक भारतीय भाषाएँ
- सेमेस्टर कः सामयिक महत्व के विषय

गोरखपुर विश्वविद्यालय भारतीय ज्ञान प्रणाली पर आधारित एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स को पहले सेमेस्टर के लिए डिजाइन करने वाला पहला विश्वविद्यालय है।